ब्रह्माण्ड किरण अनुसन्धान

४२६७. { श्री भक्त दर्शन :
श्री डी० सी० शर्मा :
श्री राम कृष्ण गुप्त :

क्या प्रधान मंत्री ३ दिसम्बर, १९५८ के अतारांकित प्रश्न संख्या ८२६ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि गुलमर्ग (काश्मीर) में ब्रह्माण्ड किरण अनुसन्धान केन्द्र की स्थापना करने में इस बीच क्या प्रगति हुई है और कब तक यह पूरा हो जायेगा ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : चेकोस्लोवाकिया के विशेषज्ञों ने हमारे विशेषज्ञों की सहायता से काश्मीर के गुलमर्ग-अफरवाट का जो सर्वे किया था उसका नतीजा यह निकला है कि रजोमार्ग (रोपवे) के दोनो सिरे और अफरवाट पर टाप प्रयोगशाला और गुलमर्ग में बेस प्रयोगशाला के स्थान निश्चित कर दिये गये है। जम्मू और काश्मीर सरकार प्रयोगशालायें और रजोमार्ग (रोपवे) बनाने के लिये भूमि प्राप्त करने को राजी हो गई है ; यह भूमि अणु शक्ति आयोग के लिये ली जायेगी ।

२. बेस प्रयोगशाला के लिये विस्तृत नक्शे और विवरण बनाये जा चुके है और निर्माण कार्य के लिये टेन्डर मागे गये है । आशा है कि यह काम जून में शुरू होकर इस वर्ष में ही पूरा हो जायेगा ।

३. रजोमार्ग (रोपवे) के निर्माणात्मक नमूने निश्चित करने के लिये और तकनीकी सूचना इकट्ठी की जा रही है, यह सूचना उस क्षेत्र में बर्फ की गहराई और वायु की गति तथा दिशा के बारे में होगी । सुरक्षा को सुनिश्चित और यातायात को नियमित करने की दृष्टि से नियम और विनियम बनाने के लिये जर्मनी और सविटजरलैंड जैसे देशों में लागू ऐसे ही नियमों की प्रतियां मंगाली गई है और उन पर विचार किया जा रहा है । इस की लागत और विदेशी मुद्रा का खर्च का मोटा अनुमान लगाने के लिये कुछ विदेशी फर्मों से लिखा पढी की गई है । प्रारम्भिक सूचना के इकट्ठा हो जाने के बाद उस पर विचार करके टेन्डर मागे जायेंगे । चूकि गुलमर्ग और अफरवाट क्षेत्र में निर्माण कार्य का मौसम छ: महीने का होता है इसलिये रजोमार्ग (रोपवे) को बनाने में करीब तीन वर्ष लग जायेंगे ।

४. टाप प्रयोगशाला बनाने का काम रजोमार्ग (रोपवे) के बन जाने के बाद शुरू किया जायेगा क्योंकि तब ही रजोमार्ग (रोपवे) के द्वारा इमारती सामान और कामगरो को ले जाना सम्भव हो सकेगा । रजोमार्ग (रोपवे) द्वारा चार यात्री अथवा ५०० किलोग्राम बोझ ले जाया जा सकेगा ।

Substitutes for Steel and Cement in Building Construction

4268. **Shri D C. Sharma:** Will the Minister of Works, Housing and Supply be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 13 on the 17th November, 1958 and state the further progress since made with regard to the use of substitutes for steel and cement in the execution of building projects by the Central and State Governments?

The Minister of Works, Housing and Supply (Shri K. C. Reddy): The National Buildings Organisation have addressed all the State Governments and Central Government Ministries concerned requesting them to carry out the necessary assessment in this regard. Details of the assessment have not been received so far.

Civic Amenities in Bharat Nagar, Delhi

4269. **Shri D. C Sharma:** Will the Minister of **Rehabilitation and Minority Affairs** be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 1284 on the 11th December, 1958, and state the further progress made so far in providing street lighting, water mains, roads, drainage etc. in Bharat Nagar, a rehabilitation colony in Delhi?